# राजनीतिक दल

## POLS4009 : Politics in India

**डॉ0 नरेन्द्र सिंह**

सहायक आचार्य

राजनीति विज्ञान विभाग

महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार

# राजनीतिक दल

- लोकतन्त्र का प्राण। (Life blood of Democracy)
- शासन का चतुर्थ अंग। (Fourth Organ of the Government)
- सरकार और समाज के बीच सेतु के रूप में।
- लोकतान्त्रिक व्यवस्था के लियें राजनीतिक दलों के अस्थित्व को नकारा नही जा सकता।
- राजनीतिक दल एक ही सिद्धान्त और विचारधारा को मानने वाले लोगो का एक वृहत समुदाय हैं।
- राजनीतिक दल ही सरकार का निर्माण कर नीतिगत, प्रशासनिक संरचना का निर्माण करते हैं।
- समाजिक हितो की प्रतिपूर्ति करते है।
- राजनीतिक दल सत्ता की प्राप्ति के साथ ही विपक्ष की भी भूमिका निभाते हैं।
- सार्वभौमिक नीतियों के निर्माण एवं विकास की प्रक्रिया को गति प्रदान करते हैं।
- राजनीतिक दल किसी भी सामाजिक व्यवस्था में परस्पर विरोधी हितों के सारणीकरण अनुशासन तथा सामंजस्य के प्रमुख साधन होते हैं।

# राजनीतिक दल की परिभाषा

- A political party is an organized group of citizens who profess to share the same political views and who, by acting as a political unit, try to control the government.

  राजनीतिक दल नागरिकों के उस संगठित समूदाय को कहते है, जिसके सदस्य समान राजनीतिक विचार रखते है और जो एक राजनीतिक ईकाई के रूप में कार्य करते हुयें शासन को अपने हाथ में रखने की चेष्टा करते हैं।

  ***–गिलक्राइस्ट***

- A party consist of a group of citizens, more or less organized, who act as a political unit and who by the use of the voting power, aim to control the government and carry out their general policies.

  राजनीतिक दल पूर्ण अथवा अपूर्ण रूप से संगठित उन नागरिकों का एक समूह होता है, जो एक राजनीतिक संस्था की भांति कार्य करते है और जिनका ध्येय अपने मताधिकार के प्रयोग द्वारा सरकार पर नियन्त्रण रखना व अपनी सामान्य नीति का सम्पादन करना हैं।

  ***–गेटेल***

- A political party is an association organized in supports of some principle or policy which by constitutional means it endeavours to make the determinant of government.

  राजनीतिक दल वह समुदाय है, जो किसी विशेष सिद्धान्त या नीति के समर्थन के लियें संगठित किया गया हो और जो संवैधानिक उपायों से उस सिद्धान्त अथवा नीति को शासन का आधार बनाने का प्रयत्न करता हो।

  ***—मैकाइवर***

- Political parties are the lubricating oil in the wheels of democratic machinery.

  प्रजातन्त्रात्मक यन्त्र के चालन में राजनीतिक दल तेल के तुल्य हैं।

  ***—ह्यूबर***

- The political parties are our best defence against the growth of casearism in the country.

  राजनीतिक दल देश में अधिनायकवाद से हमारी रक्षा करने के सर्वश्रेष्ठ कवच हैं।

  ***—लास्की***

- A political party is a body of men , united for the purpose of promoting by their joint endeavours the public interests upon some principles on which they are all agreed.
- राजनीतिक दल कुछ लोगो का समूह है, जो कुछ सिद्धान्तों पर सहमत होकर अपने संयुक्त प्रयासों द्वारा जनहित को आगे बढाने के लिो संगठित रहता हैं।

  ***—एडमण्ड बर्क***

# मौरिस डुवर्जर के अनुसार राजनीतिक दल की संरचना

- समिति या कॉकस
- शाखा या ब्रांच
- कोष्ठक या सैल
- नागरिक सेना या मिलिशिया

राजनीतिक दलों के निर्माणकारी घटक
ऐतिहासिक आधार
समाजिक आर्थिक आधार
विचारात्मक आधार
मतदान और उसके निर्णय में विश्वास
राष्ट्रीय हित
संगठन
मतों और सिद्धान्तों में एकरूपता

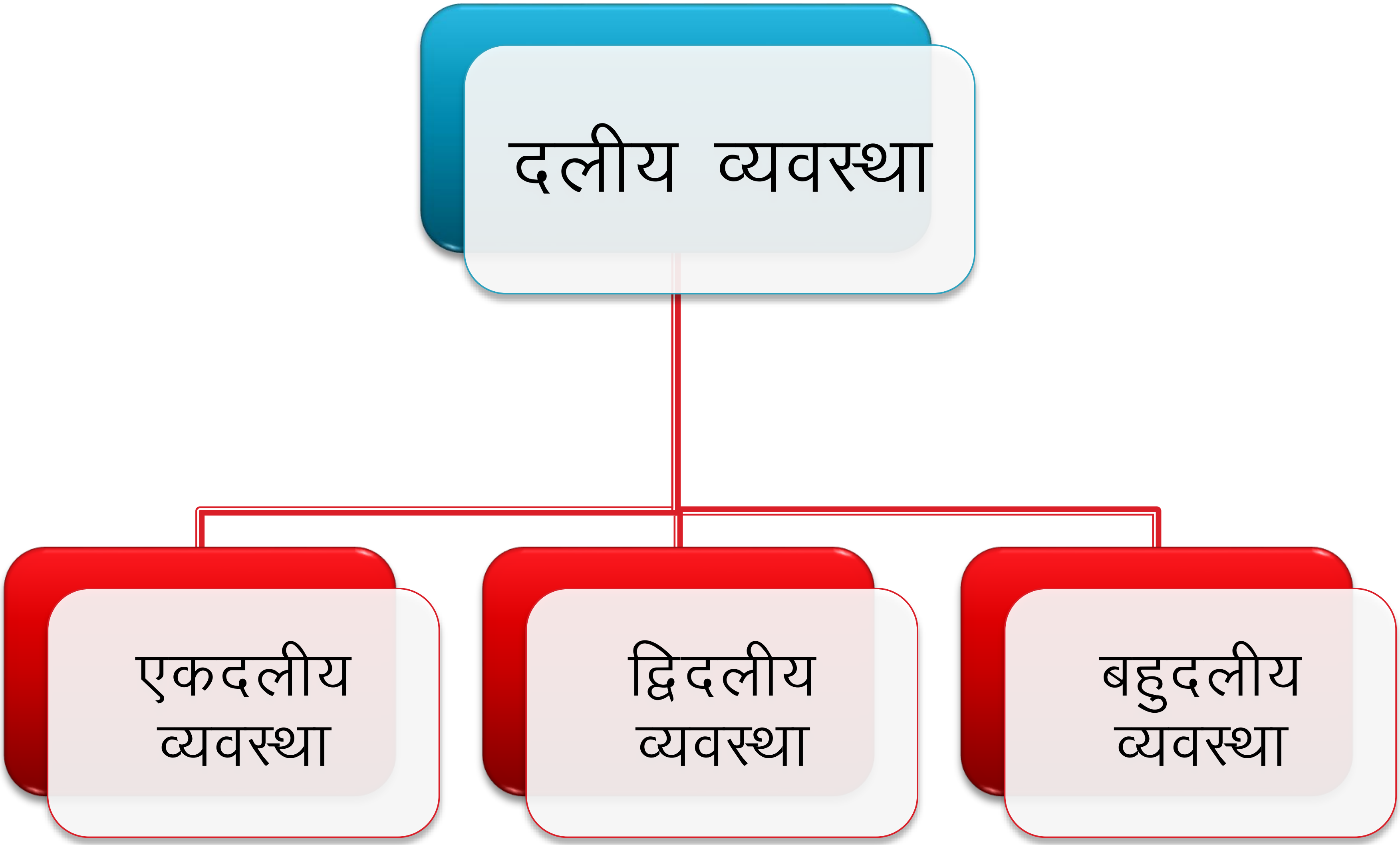
दलीय व्यवस्था
एकदलीय व्यवस्था
द्विदलीय व्यवस्था
बहुदलीय व्यवस्था

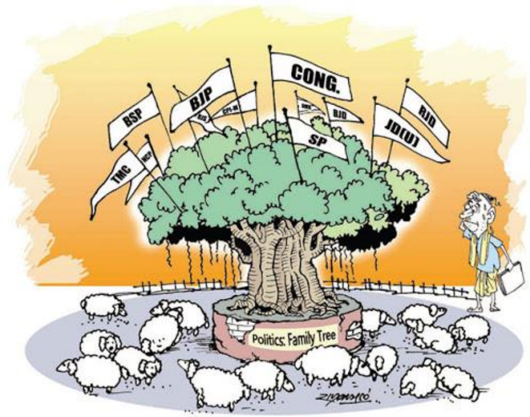


Courtesy: www.jagranmudda.jagranjunction.com

# भारत में दलीय व्यवस्थाएँ (Party Systems in India)

- भारत में दलीय व्यवस्था को निम्न चरणों में विभक्त किया जा सकता है–
  - स्वतंत्रता से पूर्व आन्दोलनकारी दलीय व्यवस्था।
  - 1947 से 1967 तक कांग्रेस सिस्टम का काल।
  - 1967 से 1971 तक राज्य स्तर पर दलीय व्यवस्था में विखंडन एवं गठबंधन सरकार का काल।
  - 1971 से 1977 में कांग्रेस का पुनरोत्थान।
  - 1977 से 1980 में केंद्रीय स्तर पर कांग्रेस का पतन एवं जनता पार्टी का उदय।
  - 1980 से 1989 में इंदिरा एवं राजीव शासनकाल में कांग्रेस का पुनरोत्थान।
  - 1989 से 2020 में केंद्रीय स्तर पर बहुदलीय व्यवस्था एवं गठबंधन सरकारों के प्रयोगात्मक अनुभव।

# भारत में राजनीतिक दलों की स्थिति

## Representation of Members in Sevententh Loksabha (2019)

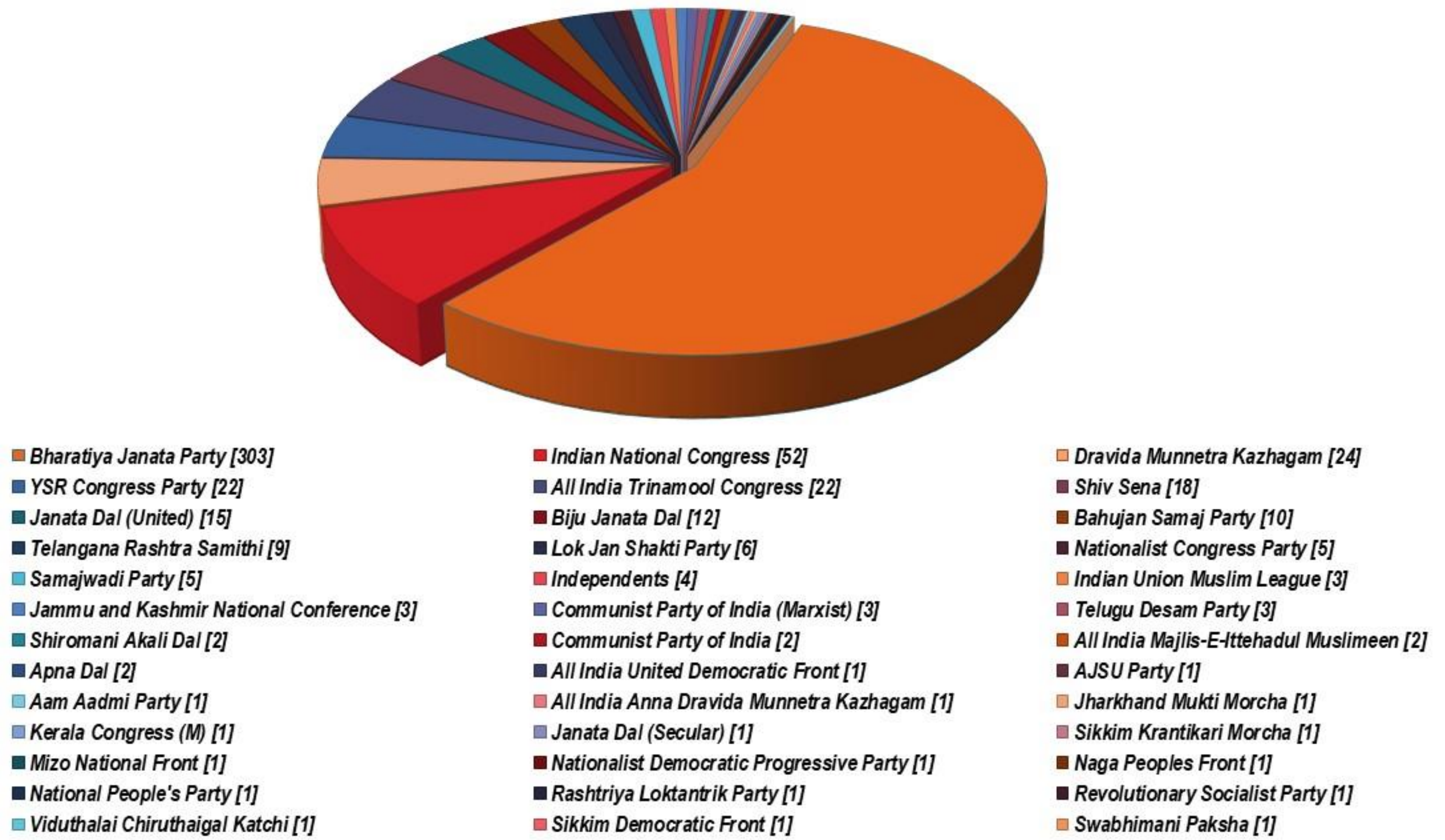

# भारत में राजनीतिक दलों का वर्गीकरण

- राष्ट्रीय राजनीतिक दल
- क्षेत्रीय राजनीतिक दल
- स्थानीय राजनीतिक दल
- तदर्थ राजनीतिक दल

भारत में अनेक क्षेत्रीय दलों के साथ ही बहुदलीय व्यवस्था है, जिनमें राष्ट्रीय राजनीतिक दल, क्षेत्रीय राजनीतिक दल, स्थानीय राजनीतिक दल तथा तदर्थ राजनीतिक दलों का आधिपत्य देखने को मिलता हैं।

- **राष्ट्रीय स्तरीय दलों के लिए मान्यता की दशायें–**
  - ✓ एक पार्टी को कम से कम तीन अलग–अलग राज्यों से लोक सभा में 2 प्रतिशत सीटें जीतनी चाहिए।
  - ✓ लोकसभा या विधान सभा के आम चुनाव में, पार्टी किसी भी चार या अधिक राज्यों में 6 प्रतिशत मत प्राप्त करती है और इसके अलावा वह चार लोकसभा सीटें जीतती है।
  - ✓ एक पार्टी को चार राज्यों में राज्य पार्टी के रूप में मान्यता मिलती है।

- **राज्य स्तरीय दलों के लिए मान्यता की दशायें–**
  - ✓ एक पार्टी को 6 प्रतिशत वैध मतों को सुरक्षित करना चाहिए और एक राज्य विधानसभा के आम चुनाव में कम से कम 2 सीटें जीतनी होगी।
  - ✓ एक पार्टी को कम से कम 6 प्रतिशत वैध वोटों को सुरक्षित करना चाहिए और कम से कम आम चुनाव में कम से कम 4 सीट जीतना चाहिए
  - ✓ एक पार्टी को विधान सभा की कुल सीटों का न्यूनतम तीन प्रतिशत या विधान सभा की न्यूनतम तीन सीटें जीतनी चाहिए।
  - ✓ एक पार्टी को लोकसभा में कम से कम एक सीट हर 25 सीटों या उस राज्य को आवंटित किसी भी हिस्से के लिए जीतनी चाहिए।
  - ✓ यदि यह राज्य में लोकसभा या विधानसभा के आम चुनाव में कुल वैध वोटों का 8 प्रतिशत या अधिक सुरक्षित करता है।

राजनीतिक दलों के कार्य
राजनीतिक समाजीकरण
राष्ट्रीय एकीकरण
लोकमत का निर्माण
शासन की आलोचना
राजनीतिक भर्ती एवं प्रशिक्षण
कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में उत्तरदायित्व का निर्वहन
सरकार का निर्माण एवं शासन संचालन
सत्ता का नियंत्रण एवं समन्वय
अधिकारी वर्ग का चयन करना
राजनीतिक रैलिया एवं प्रचार–प्रसार करना
समाजिक तथा सांस्कृतिक कार्य
जनता तथा शासन के बीच की सेतु

# राजनीतिक दलों की विशेषताएँ

- एकदलीय आधिपत्य का होना
- बहुदलीय प्रणाली
- आन्तरिक गुटबन्दी
- दलीय राजनीति वैयक्तिक नेतृत्व पर आधारित
- अवसरवादिता की उभरती प्रवृत्ति
- संगठित विरोधी दल का अभाव
- साम्प्रदायिक एवं क्षेत्रिय दलों का अस्तित्व
- निर्दलीय सदस्यों का अस्तित्व
- अनिश्चित कार्यक्रमों व नीतियॉ
- स्माजवादी प्रवृत्ति
- दल बदल की प्रवृत्ति
- राजनीति में अनैतिकता की वृद्धि
- दलों के अस्तित्व में वृद्धि

राजनीतिक दलों को प्रजातंत्र की आधारशिला एवं आत्मा कहा गया है।

राजनीतिक दल चुनावी राजनीतिक सुधारों में अपनी सहभागिता से लोकतंत्र के संस्थागत–करण की प्रक्रियाओं को मजबूत करने व आगे बढ़ाने में महती भूमिका निभाते हैं।

राजनीतिक दल लोकतंत्र के निष्पादन के प्रमुख साधन हैं।

राजनीति राजनीतिक दलों से अविभाज्य है

राजनीतिक दल देश के एकमात्र ऐसे संगठन हैं, जो राज्य तंत्र पर सत्ता प्राप्त करना, प्रतिस्पर्धा करना और सत्ता हासिल करना, सार्वजनिक धन, सरकारी नौकरशाही और विधायी तंत्र पर नियंत्रण करना चाहते हैं।

राजनीतिक दल राष्ट्र के पुर्ननिर्माण एवं राष्ट्रीय एकीकरण में सहायता प्रदान करते है।

धन्यवाद